

00002

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

Term-End Examination

December, 2017

**MMDE-038 : INTRODUCTION TO THE
EDUCATION OF VISUALLY IMPAIRED
CHILDREN**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : This paper is divided into 3 parts. Part - A for very short answer type questions. Part - B for short answer type questions and Part - C essay type questions. Part - A is compulsory.

PART - A

1. Define the following : 2x5=10
- (a) Visual Field
 - (b) Early Intervention
 - (c) Over-Protection
 - (d) Handicap
 - (e) Skill Oriented Concepts

PART - B

Write the answer of any four of the following : 4x5=20

2. Differentiate between functional assessment and medical assessment.
3. Write the importance of social services for children with visual impairment.

4. Differentiate between Glaucoma and Trachoma.
5. Write the societal attitudes towards visually impaired children.
6. Briefly discuss the concept of deaf - blindness.
7. Explain the significance of early identification in the education of children with deaf - blindness.

PART - C

Answer any two of the following questions in
250 - 300 words : 2x10=20

8. Explain with suitable examples, how cognitive development and social skills can be developed in the deaf-blind children.
 9. What is mannerism ? State any four manneristic behaviours common in children with visual impairment. Suggest some measures to prevent these behaviours. 3+2+5=10
 10. "Special educators play a vital role in the mainstreaming of children with visual impairment". Do you agree with this view ? Justify your answer with suitable examples.
-

बी.एड. विशेष शिक्षा (बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एम.डी.ई.-038 : दृष्टिहीन बच्चों की शिक्षा का परिचय

समय : 2 घंटे

अधिकतम अंक : 50

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में बँटा है। भाग - अ अति लघु उत्तरीय प्रश्न, भाग - ब लघु उत्तरीय प्रश्न एवं भाग - स निबंधनात्मक प्रश्न है। भाग - अ करना अनिवार्य है।

भाग - अ

1. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए : 2x5=10
- (a) दृष्टि क्षेत्र
(b) शीघ्र हस्तक्षेप
(c) अति-बचाव
(d) प्रतिबन्धकता
(e) कौशल-आधारित अवधारणाएँ

भाग - ब

- निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लिखें। 4x5=20
2. कार्यात्मक आँकलन तथा चिकित्सकीय आँकलन में अन्तर कीजिए।
3. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए सामाजिक सुविधाओं का महत्त्व लिखिए।

4. ग्लोकोमा एवं ट्रेकोमा में अन्तर बताइये।
5. दृष्टिबाधित बच्चों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को लिखें।
6. बधिरांध के संप्रत्यय की संक्षेप में चर्चा कीजिये।
7. बधिरांध बच्चों की शिक्षा में शीघ्र पहचान के महत्व की व्याख्या कीजिये।

भाग - स

निम्नलिखित प्रश्नों के किन्हीं दो के उत्तर 250 - 300 शब्दों में लिखें। 2x10=20

8. बधिरांध बच्चों में संज्ञानात्मक विकास एवं सामाजिक कौशल किस प्रकार विकसित किये जा सकते हैं उचित उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिए।
9. मैनरिज्म किसे कहते हैं? दृष्टिबाधित बच्चों में सामान्य रूप से पाये जाने वाले किन्हीं चार इस तरह के व्यवहारों का उल्लेख कीजिये। इन व्यवहारों को रोकने के कुछ उपाय भी बताइये। 3+2+5=10
10. "दृष्टिबाधित बच्चों को मूल धारा में शामिल करने के लिये विशेष अध्यापकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।" क्या आप इस अभिमत से सहमत हैं? अपने उत्तर की उचित उदाहरण के साथ पुष्टि कीजिये।